माननीय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कुशल भारत मिशन के तहत पीएम स्वनिधि लाभार्थियों को सशक्त बनाने वाली राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना का उद्घाटन किया

• यह स्कीम देश में रोजगार प्रदाता तैयार करने के माननीय प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप निस्बड और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी के माध्यम से व्यापक उद्यमशीलता प्रशिक्षण पर केंद्रित है।

• वर्चुअल लॉन्च 10 शहरों में निर्धारित किया गया था, जिसमें इस पहल में राष्ट्रव्यापी भागीदारी देखी गई

संबलपुर, 20 फरवरी, 2024 - आज ओडिशा के संबलपुर शहर में भारत सरकार के माननीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना के शुभारंभ के साथ उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और इसके कार्यबल को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस पहल के राष्ट्रव्यापी क्षेत्र पर बल देते हुए भोपाल, कानपुर, इंदौर, वाराणसी, भरतपुर, शिलांग, सिलचर, डिब्रूगढ़ और गुवाहाटी सहित 9 शहरों में माननीय मंत्री जी द्वारा वर्चुअल शुभारंभ किया गया था।

विशेष रूप से पीएम स्वनिधि स्कीम के लाभार्थियों के लिए तैयार की गई, यह अनूठी राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना देश भर में जॉब प्रदाताओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना का

उद्देश्य माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जॉब तलाशने के बजाय जॉब प्रदाता बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप, व्यक्तियों को व्यापक उद्यमशीलता प्रशिक्षण से लैस करना है। उभरते जॉब बाजार के अनुरूप ढलने की अनिवार्यता को पहचानते हुए, यह पहल बाधाकारी प्रौद्योगिकी के युग में कर्मचारियों की प्रतिस्पर्धात्मकता और अनुकूलनशीलता को बढ़ाने के लिए उन्हें पुनः कुशल और उन्नत बनाने पर केंद्रित है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं:

उदयमशीलता केंद्र: सुविधा के लिए प्रधानमंत्री कौशल केंद्र और जन शिक्षण संस्थानों जैसे मौजूदा बुनियादी ढांचे का लाभ उठाना।

परामर्श और हैंडहोल्डिंग सहयोग: उद्यमियों को केंद्रित व्यवसाय और तकनीकी सलाह, बुनियादी ढांचे का सहयोग और उद्योग संबंध प्राप्त होंगे।

प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (टीओटी): कठिन चयन प्रक्रिया के माध्यम से कुशल प्रशिक्षकों और सलाहकारों के एक समूह का निर्माण।

पाठ्यक्रम संरेखण: पीएम स्वनिधि लाभार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले अनुरूप प्रशिक्षण मॉड्यूल।

आकलन और प्रमाणन: ऑनलाइन और ऑफलाइन आकलन से स्किल इंडिया, निस्बड, या आईआईई के लोगो वाले प्रमाणीकरण की ओर अग्रसर होता है।

उद्घाटन समारोह में प्रमुख गण्यमान्य व्यक्तियों की भी उपस्थिति देखी गई, जिनमें कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के संयुक्त सचिव श्री राहुल कपूर, निदेशक डॉ. तफहीम उद्दीन सिद्दीकी, नीति विभाग, फ्लिपकार्ट समूह और सुश्री हेना उस्मान, संयुक्त सचिव, एमएसडीई शामिल थें।

राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना 22 सप्ताह की अवधि में व्यापक उद्यमशीलता प्रशिक्षण प्रदान करेगी, जिसमें अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक निष्पादन के साथ जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षण ऑफ़लाइन, ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिसके पूरा होने पर प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे, जिससे पाठ्यक्रम की विश्वसनीयता और उपयोगिता में वृद्धि होगी।

इसके शुभारंभ के अवसर पर, **माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान जी** ने कहा, “समलेई की पवित्र भूमि संबलपुर से पीएम स्वनिधि स्कीम के लाभार्थियों के लिए राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना के शुभारंभ से स्ट्रीट वेंडर्स तथा छोटे दुकानदारों को और अधिक कुशल बनाने में मदद होगी और उन्हें सशक्त बनाया जाएगा। इस स्कीम के अंतर्गत भारत सरकार ने स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे दुकानदारों को कौशल प्रदान करने के लिए फ्लिपकार्ट के साथ भागीदारी की है। प्रायोगिक परियोजना के तहत देश के 10 बड़े शहरों के स्ट्रीट वेंडर्स और भाई-बहनों को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण के साथ-साथ वृत्तिका भी प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, 'आजादी के 75 वर्ष बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के रूप में देश को एक ऐसा नेता मिला है, जिसने छोटे विक्रेताओं और व्यवसायों का ध्यान दिया है। आज ऐसे

लाखों छोटे दुकानदार और व्यापारी प्रधानमंत्री स्वनिधि स्कीम के आसान ऋण से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मोदी जी की गारंटी पर ही छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों को कम ब्याज पर ऋण मिल रहा है। जहां डबल इंजन की सरकार है, वहां शून्य ब्याज पर भी ऋण मिलता है। ये डबल इंजन सरकार की ताकत है। ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनी तो शून्य ब्याज पर ऋण देने की व्यवस्था की जाएगी। छोटे व्यवसाय से जीविकोपार्जन करने वाले भाई-बहन मोदी जी की प्राथमिकता हैं। यह मोदी जी की गारंटी है कि वे देश के छोटे व्यापारियों को बड़ा बनाएंगे और उन्हें सशक्त बनाएंगे, जिनमें संबलपुर और ओडिशा के व्यापारी भी शामिल हैं।"

इस आयोजन के दौरान, माननीय केंद्रीय मंत्री ने दस राज्यों के पीएम स्वनिधि स्कीम के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इन लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह स्कीम प्रसिद्ध संगठनों से उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने और उनके व्यवसायों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है।

वाराणसी के एक लाभार्थी की प्रेरक कहानी, जो एक कपड़े की दुकान का मालिक है, ने अपनी उद्यमशीलता यात्रा में स्कीम के परिवर्तनकारी प्रभाव को साझा किया। इस स्कीम के माध्यम से, उन्होंने तीन बार ऋण प्राप्त किया, जिससे उन्हें थोक में कपड़े खरीदने का अवसर मिला और बाद में उन्हें प्रतिस्पर्धी मूल्य पर बड़े खरीदारों के लिए पेश किया गया। संबलपुर के एक अन्य लाभार्थी ने कहा कि हालांकि वह पहले ही स्कीम के अंतर्गत लाभ उठा चुका है, लेकिन भागीदार कंपनियों से आगामी प्रशिक्षण व्यापक भौगोलिक बाजार तक उसकी पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसके आगे कहा कि यह स्कीम अपने आप में एक मोदी गारंटी है और आर्थिक अवसर पैदा करने और एक संपन्न व्यापार इकोसिस्टम को पोषित करने में इस पहल का ठोस प्रभाव एक प्रमाण है।

कानपुर की रहने वाली एक बुटीक मालिक ने भी पीएम स्वनिधि स्कीम से सशक्त बनाने के अपने परिवर्तनकारी अनुभव को साझा किया। दो बार वित्तीय सहायता के बाद, उन्होंने दो बार के ऋण पहले 10,000 रुपए और फिर 20,000 रुपए के माध्यम से अपने बुटीक को आगे बढ़ाया। उन्हें सीधे उनके खाते में ब्याज लौटाने का वादा किया गया था, गौरी अब आत्मविश्वास से अपना बुटीक चलाती हैं और डिजिटल भुगतान स्वीकार करने में भी सक्षम हो गई हैं। उनका अनुभव इस बात का प्रमाण है कि इस स्कीम का देश के सभी हिस्सों से उद्यमियों को आगे लाने पर कितना बड़ा प्रभाव पड़ा है।

प्रायोगिक चरण में, इस परियोजना को राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड), नोएडा के 20 केंद्रों और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी के 10 केंद्रों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा। निस्बड तथा आईआईई प्रशिक्षकों और

सलाहकारों का एक पूल बनाएंगे और शिक्षुओं के साथ बातचीत के लिए सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योगों, बैंकों और सफल उद्यमियों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेंगे। उदयमिता केंद्र निस्बड, आईआईई और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के संसाधन व्यक्तियों के मौजूदा पूल की विशेषज्ञता और अनुभव का लाभ उठाएंगे जो उद्यमशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ज्ञान और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के भंडार को बढ़ाने में योगदान देगा।

माननीय केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना का उद्घाटन देश की कौशल क्षमता का दोहन करने और "कुशल भारत - विकसित भारत" के विज़न को साकार करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह परियोजना शुरू में चयनित जिलों में शुरू की जाएगी, जिसमें महिलाओं की 40% भागीदारी सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाएगा। एक सुदृढ़ अनुवीक्षण तंत्र प्रगति को ट्रैक करेगा, प्रभाव का आकलन करेगा और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना का शुभारंभ कौशल विकास के लिए सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जिसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) का आधुनिकीकरण और स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) मंच की स्थापना शामिल है, जो देश भर में सुलभ लचीले कौशल अवसर प्रदान करता है।

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर ध्यान देने के साथ, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, निस्बड और आईआईई ने संयुक्त रूप से उद्यमशीलता विकास कार्यक्रमों में 17 लाख से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है, जो उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।